REFERENCES


Amato, P. R., & Keith, B. (1991), Separation from a parent during childhood and adult socioeconomic attainment. Social forces, 70, 187-206.


Chaplin, T., Cole, P. M., Zahn-Waxler, C. Parental socialization of emotion expression, gender differences and relations to child adjustment. Department of Psychology, Pennsylvania State University. PA 19104, USA.


Parke, R. D., & O'Leary, S. (1976). Father-mother-infant interaction in the newborn period: Some findings, some observations, and some unresolved Issues. In K. F. Riegel & J. Meacham (Eds.), *The*


Department of Humanities, social sciences, Indian Institute of Technology, Kharagpur.


Scales, P.C. (forthcoming). *Other people kids, social expectations and American adults involvement with children and Youth.* New York kluwer academic/plenum publishers


भारतीय इतिहास
इमोशनल डिस्टंस स्कूल
आराधना शुक्ला एवं सीमा धामी
डिपार्टमेंट एक्स एसाइकलाजी
एसएसएसजे नामक स्कूल यूनिवर्सिटी कैम्पस, अल्मोड़ा

मैं आपके सामने कुछ कथन रख रही हूँ। प्रत्येक कथन के सामने बहुत अधिक, अधिक, सामान्य, कम, बहुत कम लिखा हुआ है। आप प्रत्येक कथन के समुख दिये इन पाँच बिन्दुओं में से किसी एक पर सही का निसान लगा के उक्त कथन से अपनी सहमति व्यक्त करें। समय सीमा नहीं है, फिर भी कार्य कीमता से करें।

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रः</th>
<th>कथन</th>
<th>बहुत अधिक</th>
<th>अधिक</th>
<th>सामान्य</th>
<th>कम</th>
<th>बहुत कम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>मुझे अच्छे रहना अच्छा लगता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>मुझे मीठे से उछलता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>मैं लोगों से खुल कर बात नहीं कर पाती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>मैं जल्दी मित्र नहीं बना पाती।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td>मैं शीघ्र निष्पादित नहीं ले पाती।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6.</td>
<td>मुझे सदा घर लगो है कि कभी मैं फेल न हो जाऊँगी।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7.</td>
<td>मेरे विचार प्रायः असंख्यविद्या रहते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>8.</td>
<td>मुझे लगता है कि मुझे कोई प्यार नहीं करता।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>9.</td>
<td>मुझे लगता है कि लोग मेरा मजाक बनाते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>10.</td>
<td>मुझे लगता है कि मुझसे कोई काम नहीं हो पायेगा।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>11.</td>
<td>मुझे सदा किसी अनहोनी का म्यु बनना रहता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>12.</td>
<td>किसी पत्नी की तरह पहुँचने से पहले ही मौका मेरे हाथ से निकल जाता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>13.</td>
<td>मुझे लगता है कि लोग मुझसे दूर रहना चाहते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>14.</td>
<td>मैं कोई घमिष्ठ मित्र नहीं बनाना चाहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>15.</td>
<td>मैं अपनी असफलता के लिए सदा अपने को कोस्टरी रहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>16.</td>
<td>मुझे लगता है कि जान--पहचान वाले मुझे अच्छा नहीं मानते।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>17.</td>
<td>मैं लोगों से मिलना जुलना नहीं चाहती।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>18.</td>
<td>मैं सदा अपने भावनाओं के लिए डरती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रम सं</td>
<td>कथन</td>
<td>बहुत आधिक</td>
<td>आधिक</td>
<td>सामान्य</td>
<td>कम</td>
<td>बहुत कम</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>----------------------------------------------------------------------</td>
<td>-------------</td>
<td>---------</td>
<td>---------</td>
<td>-----</td>
<td>---------</td>
</tr>
<tr>
<td>19.</td>
<td>मैं दूसरों के सामने अपने को हीन महसूस करती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>20.</td>
<td>मुझे लगता है कि बनवाने ने मुझे कोई गुण नहीं दिया।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>21.</td>
<td>मैं अक्सर खोयी—खोयी रहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>22.</td>
<td>मैं अक्सर कुछ न कुछ अपनी मानसिक राहती रहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>23.</td>
<td>मुझे अपने पर भरोसा नहीं है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>24.</td>
<td>मैं अक्सर अकेलापन अनुभव करती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>25.</td>
<td>मैं दुर्ख घटनाओं को याद करके अक्सर दुखी रहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>26.</td>
<td>अक्सर किसी बात को सोचते हुए मेरी आख़ों में आँप आ जाते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>27.</td>
<td>मुझे सदा मय लगा रहता है कि मेरे मित्र मुझे दूर हो जाओगे।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>28.</td>
<td>मुझे इस बात का मय रहता है कि मेरे अपने कही बात न जाय।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>29.</td>
<td>मैं अपने संवेदन का वष में नहीं कर पाती।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>30.</td>
<td>मुझे सारे लोग ठीक तथा मतलबी लगते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>31.</td>
<td>मैं बहुत जल्दी हिम्मत हार जाती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>32.</td>
<td>मैं अपनी गलतियों को मुला नहीं पाती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>33.</td>
<td>मुझे अपरिहार्य लोगों से बात करने में घबराहट होती है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>34.</td>
<td>मुझे अक्सर घबराहट महसूस होते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>35.</td>
<td>मुझे लगता है कि मैंने कुछ गलत कर दिया है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>36.</td>
<td>अपनी कमियों का आश्चर्य मुझे हमेशा सताता रहता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>37.</td>
<td>अधिक लोगों के बीच मैं बोल नहीं पाती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>38.</td>
<td>अधिक लोगों के बीच बोलने में मैं अक्सर हकलाने लगती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>39.</td>
<td>मैं अपने विचार ठीक प्रकार से व्यक्त नहीं कर पाती है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>40.</td>
<td>मुझे लगता है कि लोग मुझसे घृणा करते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>41.</td>
<td>सबक सामने बोलने में मेरे हाथ पॉव कपने लगते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>42.</td>
<td>पारिशास्त्र समय में पारिशास्त्र भवन में आते हुए भी सब कुछ भूल जाती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>43.</td>
<td>मैं कुछ न कुछ संचाली रहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रम सं</td>
<td>कथन</td>
<td>बहुत अधिक</td>
<td>अधिक सामान्य</td>
<td>कम</td>
<td>बहुत कम</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------</td>
<td>------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----</td>
<td>------------</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>44.</td>
<td>कोई नया कार्य शुरु करने में मुझे असफल होने का भय बना रहता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>45.</td>
<td>मुझे लगता है कि में किसी भी कार्य को ठीक से नहीं कर पाऊंगी।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>46.</td>
<td>मेरा इतना अभी तेजी से टकराने लगता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>47.</td>
<td>मुझे अक्सर डराने नहीं दिखते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>48.</td>
<td>मैं अक्सर नाखुश चर्चा करती हूं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>49.</td>
<td>मुझे चककर आते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>50.</td>
<td>मुझे अक्सर सिर दर्द की शिकायत रहती है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>51.</td>
<td>मुझे लगता है कि मेरे माता–पिता मेरे भाई बहिनों को मुझे से अच्छा मानते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>52.</td>
<td>मुझे टोपय करने पर अच्छा नहीं मानते हैं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>53.</td>
<td>कोई मुझ से मित्रता नहीं करता चाहता।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>54.</td>
<td>मुझे मेरी बातें ध्यान से नहीं सुनते।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>55.</td>
<td>मेरे घर की नजरों में मेरा कोई महत्व नहीं है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>56.</td>
<td>मुझे मुझे या मेरे विचार या प्रमाण नहीं करता।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>57.</td>
<td>मेरे घर की नजरों में मेरी कोई इजाजत नहीं है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>58.</td>
<td>दुनिया वाले मुझे अच्छे नहीं लगते।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>59.</td>
<td>मेरे तोड़े होए किस्म की हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>60.</td>
<td>मुझे मेरे मित्रों में खाए रहता अच्छा लगता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>61.</td>
<td>मेरी सभी हर बात दूर रहना चाहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>62.</td>
<td>मैं अकेले अपने अपने आगे की दूरी रखती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>63.</td>
<td>बांधे दूरी के सामने अपने को बहुत हीन महसूस करती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>64.</td>
<td>मुझे दूसरे के सामने अपने को बहुत हीन महसूस करती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>65.</td>
<td>मुझे लगता है कि मुझे कुछ नहीं आता।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>66.</td>
<td>मैं दूसरे के सामने अपने को बहुत हीन महसूस करती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>67.</td>
<td>मुझे अपनी योग्यता पर विचार नहीं है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>68.</td>
<td>मुझे लगता है कि मुझे न शक्त है और न ही अक्रम।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>69.</td>
<td>मेरे इतना शक्ति कमजोर है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>70.</td>
<td>मुझे किसी भी प्रकार से लोगों का ध्यान आकर्षित करने की योग्यता नहीं है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>71.</td>
<td>मैं निर्णय नहीं ले पाती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>72.</td>
<td>मुझे बहुत बड़ी लगती है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रम</td>
<td>कथन</td>
<td>बहुत अधिक</td>
<td>अधिक</td>
<td>सामान्य</td>
<td>कम</td>
<td>बहुत कम</td>
</tr>
<tr>
<td>-----</td>
<td>-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------</td>
<td>----------</td>
<td>-----</td>
<td>----------</td>
</tr>
<tr>
<td>73.</td>
<td>राही निर्णय न ले पाने की वजह से मुझे अक्षर असफलता का सामना करना पड़ता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>74.</td>
<td>अपने निर्णय से मैं असंतुष्ट रहता हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>75.</td>
<td>मैं किसी की निर्णय को लेकर सदा अनिष्ठितता की स्थिति में रहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>76.</td>
<td>मुझे भविष्य में आने वाली समस्याओं से भय लगता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>77.</td>
<td>मुझे किसी अनहोनी का सदा भय बना रहता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>78.</td>
<td>मैं अपने साथ वीसी हुई अग्रेय घटनाओं को लेकर चितत रहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>79.</td>
<td>मैं अपने मित्रों तथा परिवार वालों की कल्पनाओं को लेकर चितत रहती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>80.</td>
<td>कोई भी कार्य शुरू करने से पूर्व मुझे चिता लगी रहती है कि यह ठीक से पूर्ण होगा कि नहीं।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>81.</td>
<td>मुझमें एकाग्रता की कमी है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>82.</td>
<td>मुझे अक्षर असिडिटी तथा पेट में जलन की शिकायत रहती है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>83.</td>
<td>मुझे दुर्गनिया झूठी लगती है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>84.</td>
<td>मुझे लगता है कि मेरा जन्म दुःख झेलने के लिए ही हुआ है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>85.</td>
<td>मुझे लगता है कि मेरे साथ कुछ अच्छा नहीं हो रहता।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>86.</td>
<td>मुझे लगता है कि दूसरे मुझसे अधिक योग्य है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>87.</td>
<td>राई सी समस्या भी मुझे पहाड़ सो लगती है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>88.</td>
<td>मुझे लगता है कि दूसरे मुझसे अधिक योग्य है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>89.</td>
<td>मैं अपने बाग्य को अक्षर कोस्ती हूँ।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>90.</td>
<td>मुझे बहुत जल्दी दीजा आ जाता है।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>